एवरशाइन

हिंदी व्याकरण

अशोक लव
एम. ए. (हिंदी), बी. एड. (दिल्ली विश्व.)
हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
द एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क
दिल्ली छावनी ।

7

शिक्षा विभाग की नीतियों के अनुसार

© प्रकाशकाधीन सुरक्षित हैं

इस पुस्तक के किसी भाग का, किसी भी रूप में, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है ।

भूमिका

व्याकरण भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराता है । भाषा के मौखिक और लिखित रूपों का ज्ञान व्याकरण द्वारा होता है । हिंदी भाषा विश्व की प्रामाणिक भाषा है । इसकी संरचना वैज्ञानिक पद्धति से हुई है । इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे जिस रूप में लिखा जाता है, इसका उच्चारण भी उसी रूप में किया जाता है । इसलिए इसके व्याकरण के ज्ञान से इसके मौखिक और लिखित दोनों रूपों पर समानाधिकार आ जाता है ।

समय तेज़ी से बदल रहा है । इसके साथ-साथ शिक्षा-पद्धितयों में भी तेज़ी से परिवर्तन आ रहा है । संचार माध्यमों के प्रचार-प्रसार और विश्वीकरण का प्रभाव शिक्षा जगत पर भी पड़ा है । भाषा पर इन सबका प्रभाव पड़ रहा है । संसार में वही भाषा जीवित रहती है जिसने विज्ञान और इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को स्वीकार करके नवीन स्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया है । हिंदी इन परिवर्तनों को स्वीकार करके समृद्ध हुई है ।

व्याकरण की यह पुस्तक-शृंखला इन समस्त स्थितियों को समक्ष रखकर तैयार की गई है । इसकी भाषा विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्तरानुकूल है । पांडित्य प्रदर्शन हेतु संस्कृत की तत्सम प्रधान शब्दावली से बचा गया है । इस पुस्तक-शृंखला में विद्यार्थियों को केंद्र में रखा गया है । नियमों-उपनियमों और अभ्यासों की भाषा बोधगम्य है । इसका उद्देश्य है – विद्यार्थी पढ़कर इन्हें स्वयं समझ सकें ।

व्याकरण जैसे नियमों-उपनियमों से भरे शास्त्र को शुष्क एवं नीरस माना जाता है । इस शृंखला की प्राथमिक स्तर की पुस्तकों (भाग तीन, चार और पाँच) को रंगीन चित्रों के माध्यम से आकर्षक बनाया गया है । विभिन्न नियमों को जीवन के साथ संबद्ध करके समझाया गया है । बाल-गीतों की पंक्तियों और गीतों के माध्यम से व्याकरण को पढ़ाने का नया प्रयोग व्याकरण जगत में पहली बार किया गया है । इससे विद्यार्थियों की व्याकरण पढ़ने में रुचि बढ़ी है । अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इस प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की है । उनकी प्रतिक्रिया थी कि आज तक किसी ने सोचा भी न था कि व्याकरण जैसे नीरस विषय को बाल-गीतों के उदाहरणों द्वारा भी पढ़ाया-समझाया जा सकता है ।

प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा के व्याकरण का अध्ययन सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है । इसी स्तर पर विद्यार्थी भाषा सीखना आरंभ करता है । भाषा की नींव इसी समय रखी जाती है । मात्राओं का उचित प्रयोग करने से लेकर अनुच्छेद और कहानी तक कक्षा पाँच तक हो जाता है । इन कक्षाओं में व्याकरण-अध्ययन अत्यंत आवश्यक होता है । इसलिए इस स्तर की पुस्तकों को अध्यापक-अध्यापिकाओं की आवश्यकताओं और विद्यार्थियों की आयु और ग्रहण क्षमता को समक्ष रखकर तैयार किया गया है ।

माध्यमिक स्तर की पुस्तकों की भाषा भी सहज और सरल है । इसके उदाहरण आम जीवन से संबद्ध हैं । ये विद्यार्थियों के परिवेश से सीधे जुड़े हुए हैं । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों में विद्यार्थियों और अध्यापक-अध्यापिकाओं को अध्ययन में जो कठिनाइयाँ आती हैं, उन्हें भी दृष्टिगत रखकर भाग छह, सात, आठ को तैयार किया गया है । अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं ।

प्रश्नों के साथ ही उत्तरों के लिए पर्याप्त स्थान रखे गए हैं । इससे विद्यार्थियों को गृह-पुस्तिकाओं में कार्य करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी । यदि प्रत्येक अध्याय के साथ दिए गए **'प्रश्न और अभ्यास'**

गंभीरतापूर्वक किए जाएँगे तो विद्यार्थी व्याकरण में पारंगत हो जाएँगे ।

साहित्य के क्षेत्र में लगभग तीस वर्षों के निरंतर लेखन एवं अध्यापन के दो दशकों से अधिक के अनुभव के पश्चात व्याकरण-लेखन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रुचि जाग्रत हो । वे इसका शुद्ध प्रयोग करें । उनकी अभिव्यक्ति क्षमता विकसित हो । उनकी राष्ट्रभाषा के प्रति सकारात्मक सोच बने । इस पुस्तक-शृंखला से उनमें हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी । आशा है व्याकरण पुस्तकों की यह शृंखला अध्ययन-अध्यापन के अपने उद्देश्य में सार्थक सिद्ध होगी ।

इस पुस्तक को विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी और सी.बी.एस.ई. की पाठ्यक्रम नीतियों और पाठ्यक्रमों को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए यथास्थान अंग्रेज़ी के पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं ।

आशा है हिंदी भाषा के अध्यापक-अध्यापिकाएँ इस पुस्तक-शृंखला का अपनी सहायिका के रूप में स्वागत करेंगे । उनके द्वारा ही ज्ञान प्रदान करने का पावन कार्य संपन्न होता है । उनके इस समर्पित, पावन और अतुलनीय कार्य में यह पुस्तक सार्थक भूमिका निभा सकेगी, ऐसा हमारा विश्वास है ।

विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इसे रुचिकर एवं उपयोगी पाएँगे । आप सबकी प्रतिक्रिया और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

अशोक लव

विषय-सूची

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण, साहित्य (Language, Dialect, Script, Grammar and Literature	7
2.	वर्ण-विचार (Phonology)	12
3.	शब्द-विचार (Marphology)	18
4.	शब्द-संरचना (Etymology) : उपसर्ग (Prefix)	23
5.	शब्द-संरचना : प्रत्यय (Suffix)	29
6.	शब्द-संरचना : संधि (Joining)	34
7.	शब्द-संरचना : समास (Compound)	41
8.	संज्ञा (Noun)	46
9.	संज्ञा-विकार : लिंग (Declension of Noun : Gender)	51
10.	संज्ञा-विकार : वचन (Numbers)	56
11.	संज्ञा-विकार : कारक (Case)	61
12.	संज्ञाओं का रूप-परिवर्तन (Transformation of Nouns)	66
13.	सर्वनाम (Pronoun)	70
14.	सर्वनामों का रूप-परिवर्तन (Transformation of Pronouns)	74
15.	विशेषण (Adjective)	77
16.	क्रिया (Verb)	82
17.	काल (Tense)	88
18.	वाच्य (Voice)	93
19.	क्रियाविशेषण (Adverb)	96
20.	संबंधबोधक (Post Position)	99
21.	समुच्चयबोधक (Conjunction)	101
22.	विस्मयादिबोधक (Interjection)	103
23.	विराम-चिह्न (Punctuation)	106
24.	मुहावरे, अर्थ और वाक्यों में प्रयोग (Idioms, Meanings & Usages)	108
25.	लोकोक्तियाँ, अर्थ और वाक्यों में प्रयोग (Proverbs, Meanings & Usages)	113
26.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	116
27.	विलोम शब्द (Antonyms)	119
28.	शब्द एक, अर्थ अनेक (Words with various meanings)	121
29.	अनेक के लिए एक शब्द (One Word for Group of Words)	124
30.	समान रूप पर अर्थ भिन्न (Pair of words, Distinguished)	127
31.	ध्वनिसूचक शब्द (Words related to Sounds)	129

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
32.	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	130
33.	पत्र-लेखन (Letter writing)	134
	(i) मित्र को पत्र – दिल्ली पहुँचने की सूचना ।	135
	(ii) रक्षाबंधन पर न आ सकने के लिए भाई को पत्र ।	135
	(iii) पुस्तक भेजने के लिए पिताजी को पत्र ।	136
	(iv) छोटी बहन को पत्र – पुरस्कार मिलने पर बधाई ।	136
	(v) मित्र को पत्र – नए विद्यालय के विषय में ।	137
	(vi) पढ़ाई में अपनी प्रगति के विषय में अपने पिताजी को पत्र ।	137
	(vii) परीक्षा में सफलता के लिए मित्र को बधाई पत्र ।	138
	(viii) बुरी संगति में फँसे हुए अपने छोटे भाई को मार्गदर्शन के लिए पत्र ।	138
	(ix) कक्षा-अध्यापिका को अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र ।	139
	(x) प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र – खेल के सामान की कमी के संबंध में ।	139
	(xi) संपादक को पत्र – अपराध की बढ़ती घटनाओं के विषय में ।	139
	(xii) पुस्तक-विक्रेता को पत्र – पुस्तकें मंगाने के लिए ।	140
	(xiii) पूर्ण शुल्क मुक्ति हेतु प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र ।	140
	(xiv) स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र ।	141
34.	निबंध-लेखन (Essay writing)	142
	(i) समय का सदुपयोग	143
	(ii) मेरी हरिद्वार यात्रा	144
	(iii) टेलीविज़न : वरदान और अभिशाप	144
	(iv) बस अड्डे का दृश्य	145
	(v) ऋतुओं की रानी	146
	(vi) प्रदूषण की समस्या	147
	(vii) वह अविस्मरणीय घटना	148
	(viii) गणतंत्र दिवस	149
	(ix) विद्यार्थी जीवन	150
	(x) दैनिक जीवन में विज्ञान	151
	(xi) हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव	151

1 भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण, साहित्य (Language, Dialect, Script, Grammar & Literature)

1. भाषा (Grammar)

मनुष्य के मन में अनेक भाव और विचार जागृत होते हैं । वह इन्हें दूसरों को बताता है । वह दूसरों के मन के भावों और विचारों को जानता है ।

अंकिता का जन्म-दिन था । उसने अपनी सहेलियों को कहा, "चलो ! कैंटीन चलते हैं । मैं वहाँ जन्म-दिन की पार्टी दूँगी ।"

यह सुनकर उसकी सहेलियाँ प्रसन्न हो उठीं । वे सभी तत्काल कैंटीन की ओर चल पड़ीं ।

अंकिता ने अपने मन के भावों को 'बोलकर' कहा ।

अंकिता की सहेलियों ने 'सुनकर' उसके मन के भावों को जाना ।

अर्जुन साइकिल से गिर गया । उसके पाँव में चोट लग गई । उसने प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखा । उसने उन्हें विद्यालय न आ सकने का कारण लिखकर बताया । प्रधानाचार्य ने प्रार्थना-पत्र पढ़कर अर्जुन के विद्यालय न आ सकने का कारण जान लिया ।

अर्जुन ने अपने मन के भाव 'लिखकर' प्रकट किए ।

प्रधानाचार्य ने अर्जुन के मन के भाव 'पढ़कर' जाने ।

बोलने, सुनने, लिखने और पढ़ने का यह कार्य **भाषा** के द्वारा हुआ ।

भाषा के द्वारा मनुष्य मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान करता है ।

मनुष्य बोलकर और लिखकर अपने मन के भाव और विचार अभिव्यक्त करता है ।

वह सुनकर और पढ़कर दूसरों के मन के भाव और विचार जानता है ।

भाषा के रूप (Kinds of Language)

भाषा के दो रूप होते हैं –

(क) मौखिक भाषा (Spoken Language)

(ख) लिखित भाषा (Written Language)

(क) मौखिक भाषा (Spoken Language) :

(क) रूपाली ने कहा, "चलो भैया ! बैडमिंटन खेलते हैं ।"

"तुम रैकेट उठाओ । मैं पुस्तकें संभालकर आता हूँ ।" रूपेश बोला ।

(ख) "क्या तुमने कविता याद कर ली ?" अध्यापिका ने पूछा ।

"जी मैम ! मैं सुनाऊँ ?" धंनजय ने कहा ।

"हाँ ! सुनाओ !" अध्यापिका ने कहा ।

इन दोनों उदाहरणों में भाषा का बोलकर प्रयोग किया गया है । यह भाषा का मौखिक रूप है ।

भाषा के मौखिक रूप में मन के भावों और विचारों को सुनकर जाना जाता है ।

भाषा का मौखिक रूप अस्थायी होता है ।

अब इलैक्ट्रॉनिक यंत्रों के आविष्कार से भाषा का मौखिक रूप भी स्थायी हो गया है । वार्तालाप, गीत, संगीत, भाषण आदि को टेप करके कैसेट्स में सुरक्षित रखा जा सकता है ।

(ख) लिखित भाषा (Written Language) :

ऋषिका समाचार-पत्र पढ़ रही है ।
ऋतेश इतिहास के प्रश्नों के उत्तर लिख रहा है ।
पूर्णिमा ब्लैक-बोर्ड पर कविता लिख रही है ।
भरत कनाडा से आए, बहन के पत्र को पढ़ रहा है ।

ये उदाहरण भाषा के लिखित रूपों के हैं ।

समाचार-पत्र, पुस्तकें, पत्र आदि भाषा के लिखित रूप हैं ।

भाषा के लिखित रूपों द्वारा मन के भावों और विचारों को लिखकर प्रकट किया जाता है और पढ़कर जाना जाता है ।

हिंदी भाषा

भारतीय संविधान में 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा (Official Language) के रूप में स्वीकृति मिली थी । हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है । विश्व में हिंदी बोलने वालों का तीसरा स्थान है । हिंदी भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली और समझी जाती है, इसलिए यह 'संपर्क भाषा' भी है । 14 सितंबर हिंदी-दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

प्रत्येक राष्ट्र की एक प्रमुख भाषा होती है । भारत में हिंदी सर्वाधिक लोगों द्वारा प्रयुक्त होती है इसलिए इसे राष्ट्रभाषा का गौरव भी प्राप्त है । स्वाधीनता-आंदोलन में देश के विभिन्न प्रदेशवासियों ने हिंदी भाषा के द्वारा ही अपनी लड़ाई लड़ी ।

अन्य भारतीय भाषाएँ (Other Indian Languages)

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं । संविधान में जिन अन्य भारतीय भाषाओं को मान्यता दी गई है, वे हैं –

संस्कृत, काश्मीरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, बांग्ला, असमिया, मणिपुरी, सिंधी, नेपाली, उर्दू और उड़िया ।

2. बोली (Dialect)

भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है ।

बोली किसी छोटे-से अंचल में बोली जाती है । इसका क्षेत्र बहुत सीमित होता है ।

हरियाणा में हरियाणवी, राजस्थान में राजस्थानी और बिहार में भोजपुरी, मैथिली आदि बोलियाँ हैं ।

ब्रजभाषा पहले भाषा थी परंतु अब यह मथुरा और इसके निकट के क्षेत्रों की बोली है ।

खड़ी बोली पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और रोहतक आदि क्षेत्रों की बोली थी, अब इसने विकसित होकर 'हिंदी' भाषा का रूप ले लिया है ।

पहले बोलियों में साहित्यिक रचनाएँ नहीं होती थीं परंतु अब हरियाणवी, राजस्थानी, भोजपुरी आदि में कहानियाँ, कविताएँ, उपन्यास और महाकाव्य तक लिखे जाने लगे हैं ।

3. लिपि (Script)

विश्व में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं । इन भाषाओं को लिखने का ढंग अलग-अलग होता है ।

भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है ।

नीचे कुछ भाषाएँ और उनकी लिपियों को दिया जा रहा है :

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	फ़ारसी
गुजराती	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन

संस्कृत, मराठी, बांग्ला, नेपाली आदि भाषाओं की भी लिपि देवनागरी है ।

4. व्याकरण (Grammar)

एक ही भाषा का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों के लोग भिन्न-भिन्न रूपों में करते हैं । इससे उसके स्वरूप पर प्रभाव पड़ता है ।

व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा के शुद्ध रूप और प्रयोग का ज्ञान होता है ।

5. साहित्य (Literature)

ज्ञान का क्षेत्र असीमित होता है । भवन-निर्माण, संगीत, नृत्य, भौतिकी, रसायन, अंतरिक्ष, चिकित्सा, पर्यावरण आदि ज्ञान के विभिन्न क्षेत्र हैं । इनसे संबंधित ज्ञान के भंडार को साहित्य कहते हैं ।

ज्ञान का भंडार साहित्य कहलाता है ।

ज्ञान के भंडार में निरंतर वृद्धि होती रहती है । विज्ञान की प्रगति से ज्ञान के नए-नए रूप सामने आते रहते हैं । इस प्रकार साहित्य के भंडार में भी निरंतर वृद्धि होती रहती है ।

साहित्य का सामान्य प्रयोग काव्य और गद्य की रचनाओं के रूप में भी किया जाता है । महाकाव्य, कविता, उपन्यास, लघुकथा, कहानी, नाटक, लेख और संस्मरण आदि साहित्य के अनेक रूप हैं । इन्हें साहित्य की विधाएँ कहते हैं ।

प्रश्न और अभ्यास

1. भाषा किसे कहते हैं ?
2. भाषा के कितने रूप होते हैं ?
3. बोली किसे कहते हैं ?

4. लिपि किसे कहते हैं ?

5. व्याकरण और भाषा में क्या संबंध होता है ?

6. साहित्य किसे कहते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए ।

7. **खाली स्थानों में उचित शब्द लिखिए ।**

(क) हरियाणा की बोली ..... है । (राजस्थानी, हरियाणवी)

(ख) भाषा का क्षेत्रीय रूप ..... कहलाता है । (लिपि, बोली)

(ग) खड़ी बोली ने अब ..... भाषा का रूप ले लिया है । (हिंदी, पंजाबी)

(घ) पहले ..... में साहित्यिक रचनाएँ नहीं होती थीं । (बोलियों, भाषाओं)

(ङ) ब्रजभाषा पहले ..... थी । (बोली, भाषा)

8. **खाली स्थान भरिए ।**

(क) पंजाबी की लिपि ..... है । (रोमन, गुरुमुखी)

(ख) फ़ारसी लिपि में ..... भाषा लिखी जाती है । (उर्दू, अंग्रेज़ी)

(ग) अंग्रेज़ी की लिपि ..... है । (देवनागरी, रोमन)

(घ) हिंदी की लिपि ..... है । (गुरुमुखी, देवनागरी)

(ङ) बांग्ला भाषा की लिपि ..... है । (देवनागरी, बंगाली)

9. **सही कथन के आगे ✓ चिह्न और गलत के आगे × चिह्न लगाइए ।**

(क) टेलीविज़न से समाचार सुनना भाषा का लिखित रूप है । ☐

(ख) पुस्तक भाषा का लिखित रूप है । ☐

(ग) फ़ोन की बातचीत भाषा का मौखिक रूप है । ☐

(घ) क्रिकेट का आँखों देखा हाल भाषा का लिखित रूप है । ☐

(ङ) प्रधानमंत्री का भाषण भाषा का मौखिक रूप है । ☐

10. **उत्तर दीजिए –**

(क) हिंदी-दिवस कब मनाया जाता है ?

.....

(ख) भारत की राजभाषा कौन-सी है ?

.....

(ग) 14 सितंबर 1949 को क्या हुआ था ?

.....

(घ) विश्व में हिंदी बोलने वालों का कौन-सा स्थान है ?

.....

(ङ) दक्षिण भारत की चार भाषाओं के नाम लिखिए :–

....

....

11. **एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :**

(क) व्याकरण द्वारा क्या सीखा जाता है ?

.....

(ख) भाषा का क्या उपयोग है ?

.....

(ग) मौखिक भाषा किसे कहते हैं ?

.....

(घ) लिखित भाषा के दो उदाहरण दीजिए :

(i) .....

(ii) .....

(ङ) बोली किसे कहते हैं ? भारत में बोली जाने वाली किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए :

.....